अप्रैल 2015 से मार्च 2016 की तिमाहियों के दौरान आदेश बहियों, इन्वेंटरियों और क्षमता उपयोग की स्थिति*

सीरीज के चौथे[1] इस वार्षिक लेख में अप्रैल 2015 से मार्च 2016 (30वें से 33वें दौर तक के सर्वेक्षण) के दौरान किए गए विनिर्माण क्षेत्र की कंपनियों की आदेश बहियां, इन्वेंटरी और क्षमता उपयोग (ओबीआईसीयूएस) से संबंधित सर्वेक्षण के परिणाम दिए गए हैं। 2015-16 की तीसरी तिमाही तक नमूना कंपनियों के औसत नए आदेशों में वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि मामूली रूप से सकारात्मक रही, किंतु उसके बाद 2015-16 की चौथी तिमाही में इसमें गिरावट दर्ज की गई। वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान नमूना कंपनियों के इन्वेंटरी स्तर में कोई महत्वपूर्ण वृद्धि नहीं देखी गई। भारतीय विनिर्माण उद्योग में क्षमता उपयोग (सीयू) का स्तर वित्तीय वर्ष 2015-16 में कम रहना जारी रहा।वित्तीय वर्ष 2015-16 में सीयू में मौसमी-प्रवृत्ति के चलते वृद्धि दर्ज की गई और यह 74.1 प्रतिशत रहा जो कि 2014-15 की चौथी तिमाही में दर्ज स्तर के समान था।

प्रस्तावना

रिज़र्व बैंक वर्ष 2008 से तिमाही आधार पर भारतीय विनिर्माण कंपनियों की आदेश बहियों, इन्वेंटरियों और क्षमता के उपयोग (ओबीआईसीयूएस) के संबंध में सर्वेक्षण कर रहा है। सर्वेक्षण के परिणाम नियमित आधार पर भारतीय रिज़र्व बैंक की वेबसाइट उपलब्ध कराएं जाते हैं। ओबीआईसीयूएस के लिए प्रयुक्त नमूना पद्धति सोद्देश्य है। सर्वेक्षण अनुसूची विनिर्माण क्षेत्र की उन 2,500 कंपनियों के बीच प्रचारित की गई जिनकी स्थिति अनेक कारोबार प्रवृत्ति सर्वेक्षण में समान है। तथापि, सर्वेक्षण में भाग लेना स्वैच्छिक होता है और इसलिए सभी कंपनियों से उत्तर प्राप्त करना सभी तिमाहियों में उत्तर प्राप्त करना संभव नहीं हो पाता है।

सर्वेक्षण में एकत्रित की जाने वाली जानकारी में लक्ष्यित समूह से संदर्भगत तिमाही में प्राप्त हुए नए आदेशों, तिमाही के प्रारंभ में बचे हुए पुराने आदेश, तिमाही के अंत में लंबित आदेश, चालू कार्य (डब्ल्यूआईपी) तथा तैयार माल (एफजी) को अलग-अलग दर्शाते हुए तिमाही के अंत में कुल इन्वेंटरियों तथा स्थापित क्षमता की तुलना में मात्रा तथा मूल्य के संदर्भ में तिमाही के दौरान स्थापित क्षमता की तुलना में मदवार उत्पादन के मात्रात्मक आंकड़े शामिल हैं। क्षमता उपयोग के स्तर से संबंधित अनुमान उपर्युक्त आंकड़ों के आधार पर किया गया है।

इस लेख में वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान भारतीय विनिर्माण उद्योग के आदेश बहियों, इन्वेंटरियों और क्षमता के उपयोग की स्थिति के बारे में चर्चा की गई है। भिन्न-भिन्न दौर के सर्वेक्षण के जरिए संबंधित तिमाहियों के लिए उपलब्ध नवीनतम अनुमान **अनुबंध** में दिए गए हैं।

II. सर्वेक्षण के परिणाम

II.1 आदेश बहियों में वृद्धि

वर्ष 2014-15 की चौथी तिमाही में नमूना कंपनियों के औसत नए आदेशों में वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि में तेजी आई और 2015-16 की तीसरी तिमाही तक मामूली रूप से सकारात्मक बनी रही। तथापि, इसमें 2015-16 की चौथी तिमाही में फिर से गिरावट दर्ज की गई। तिमाही-दर-तिमाही आधार पर वित्तीय वर्ष 2015-16 में नए आदेशों की वृद्धि संकुचन और विस्तार के बीच घटती-बढ़ती रही। 2015-16 की चौथी तिमाही में तिमाही-दर-तिमाही वृद्धि अनुकूल स्थिति में आ गई (चार्ट 1)।

चार्ट 1: नए आदेशों में वृद्धि

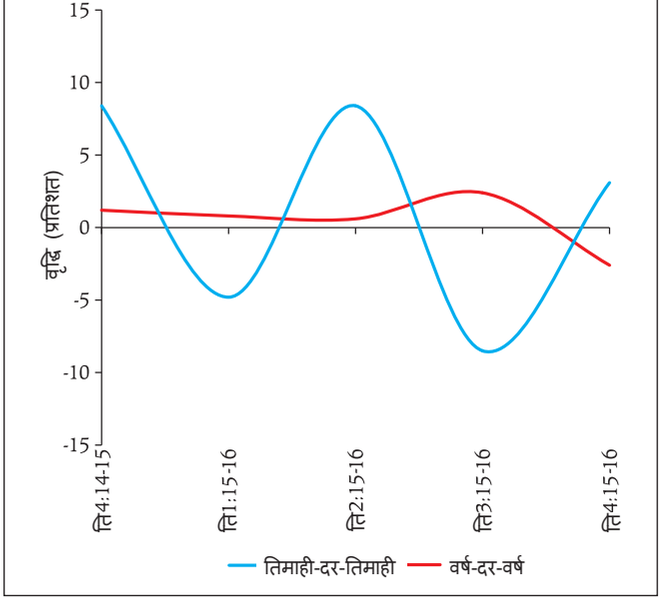

* भारतीय रिज़र्व बैंक, मुंबई के सांख्यिकी और सूचना प्रबंध विभाग के उद्यम सर्वेक्षण प्रभाग में तैयार किया गया। यह लेख ओबीआईसीयूएस सर्वेक्षण के 30वें से 33वें दौर तक के परिणामों पर आधारित है। सारांश सारणियां अनुबंध में दी गई हैं। वैयक्तिक सर्वेक्षण दौर के सर्वेक्षण परिणाम (आंकड़े निर्गत) बैंक की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

[1] 'अक्तूबर 2013 से मार्च 2015 तक की तिमाहियों के लिए आदेश बहियों, इन्वेंटरियों और क्षमता उपयोग की स्थिति' पर पूर्व लेख सितंबर 2015 के आरबीआई मासिक बुलेटिन के अंक में प्रकाशित किया गया था। सर्वेक्षण के परिणाम उत्तरदाताओं से प्राप्त जानकारी पर आधारित हैं और यह जरूरी नहीं है कि भारतीय रिज़र्व बैंक उनसे सहमत हो।

चार्ट 2 : बिक्री की तुलना में एफजी इन्वेंटरी और आरएम इन्वेंटरी का अनुपात

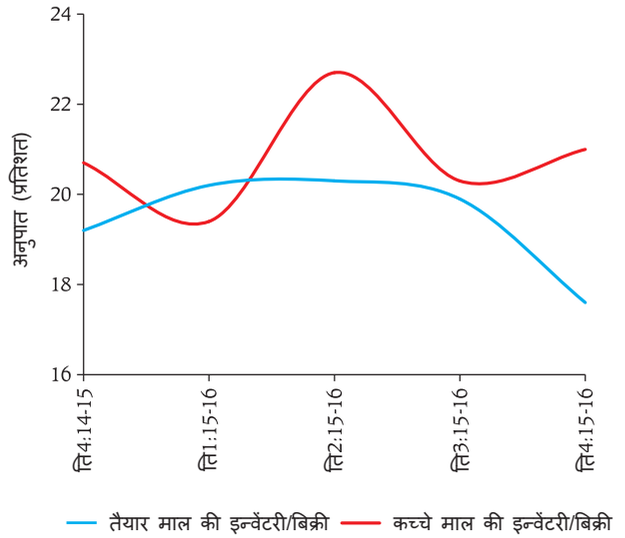

चार्ट 3 : मौसमी-प्रवृत्ति समायोजित क्षमता उपयोग

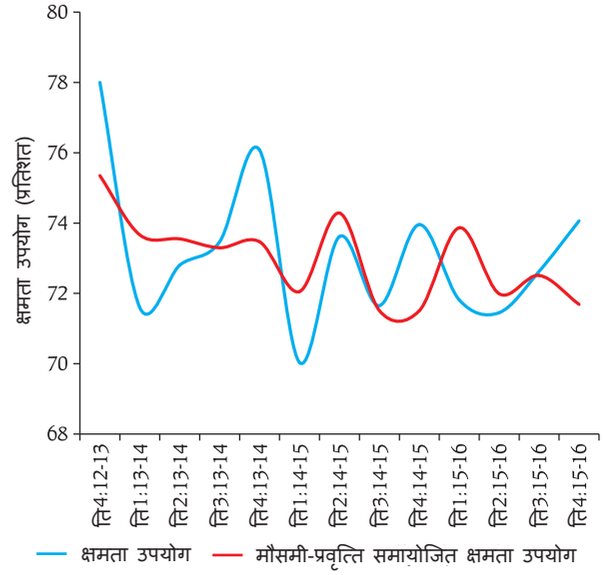

II.2 बिक्री की तुलना में इन्वेंटरी अनुपात

वर्ष 2015-16 के दौरान इन्वेंटरी के स्तर में कोई महत्वपूर्ण वृद्धि नहीं हुई। संदर्भगत अवधि के दौरान बिक्री की तुलना में औसत कच्चा माल (आरएम) 19-23 प्रतिशत के दायरे में घटता-बढ़ता रहा। इसके अतिरिक्त, पिछले एक वर्ष पहले की तुलना में इस वर्ष की अधिकांश तिमाहियों में कम बना रहा। 2015-16 की तीसरी तिमाही में बिक्री की तुलना में तैयार माल (एफजी) अनुपात लगभग 20 प्रतिशत रहा और उसके बाद अंतिम तिमाही में कम हो गया। एक वर्ष पहले की तुलना में यह अनुपात 2015-16 की चौथी तिमाही में कम रहा (चार्ट 2)।

II.3 क्षमता का उपयोग

वर्ष 2015-16 में भारतीय विनिर्माण उद्योग में क्षमता उपयोग का स्तर कम बना रहा। तथापि, वित्तीय वर्ष 2015-16 में तिमाही आधार पर सीयू का स्तर 2015-16 की दूसरी तिमाही को छोड़कर वित्तीय वर्ष 2014-15 के स्तर से अधिक रहा। 2015-16 की चौथी तिमाही में सीयू में मौसमी सुधार हुआ और यह 74.1 प्रतिशत रहा जो कि 2014-15 की चौथी तिमाही में दर्ज प्रतिशत के समान था। तथापि मौसमी-प्रवृत्ति के लिए समायोजन के बाद सीयू में 2015-16 की तीसरी तिमाही की तुलना में 2015-16 की चौथी तिमाही में मामूली गिरावट दर्ज की गई (चार्ट 3)।

आम तौर पर क्षमता के उपयोग में हुई घट-बढ़ विनिर्माण क्षेत्र के प्रवृत्ति-असंबद्ध औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में हुई घट-बढ़ के समान बनी रही (चार्ट 4) है।

आगे, उपयोग आधारित वर्गों के लिए आंकड़ों के अलग-अलग आकार-वार विश्लेषण से पता चलता है कि मूलभूत वस्तुओं और मध्यवर्ती वस्तु वर्ग के लिए सीयू का स्तर पूरे वर्ष 2015-16 में उच्च स्तर पर बना रहा। 2015-16 की चौथी

चार्ट 4 : क्षमता उपयोग तथा प्रवृत्ति-असंबद्ध औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (विनिर्माण)

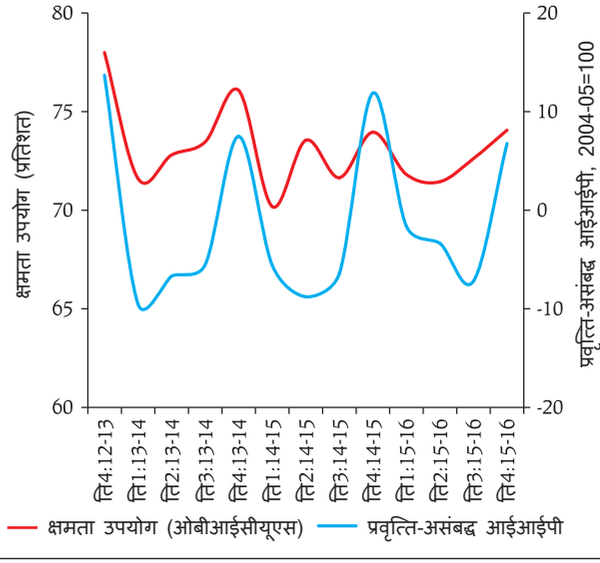

चार्ट 5 : उपयोग आधारित वर्गों के लिए क्षमता उपयोग

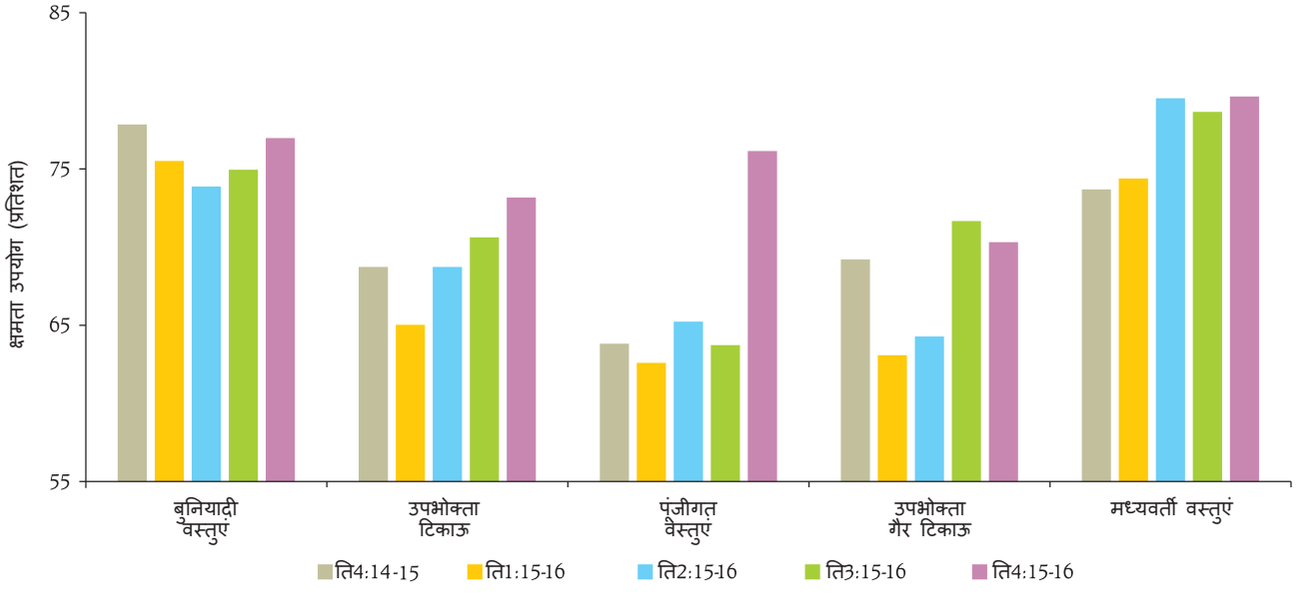

तिमाही में सीयू के स्तर में पूंजीगत वस्तुओं के वर्ग (63.7 प्रतिशत से 76.1 प्रतिशत) में तीव्र वृद्धि दर्ज की गई। इसके बाद टिकाऊ वस्तुओं (70.6 प्रतिशत से 73.2 प्रतिशत) और आधारभूत वस्तुओं के वर्ग (75.0 प्रतिशत से 77.0 प्रतिशत) में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई। इसके विपरीत, 2015-16 की चौथी तिमाही में उपभोक्ता गैर-टिकाऊ वस्तुओं के सीयू स्तर में गिरावट देखी गई (चार्ट 5)।

III. सर्वेक्षण के विभिन्न दौरों (30वें से 33वें दौर तक) के परिणामों की वैधता

कंपनियों[2] (दायरों का उल्लेख संबंधित सारणियों में किया गया है) के नमूनों के घटकों में परिवर्तन होने के कारण एक दौर से दूसरे दौर के सर्वेक्षण के लिए अनुमानित मानदंड़ों में थोड़ा-बहुत परिवर्तन होता है। तथापि, उपर्युक्त परिवर्तनों से तब तक कोई समस्या नहीं है जब तक पूर्व में पाई गई प्रवृत्ति बरकरार बनी रहती है। समग्र स्तर पर, यह पाया गया है कि कंपनियों के घटक समूह में बदलाव होने के कारण प्रमुख संकेतकों में थोड़ा-बहुत परिवर्तन था, किंतु व्यापक स्तर पर प्रवृत्ति समान थी।

IV. समापन टिप्पणी

भारतीय विनिर्माण क्षेत्र की मांग स्थिति कमजोर बनी रही, जैसा कि क्षमता उपयोग स्थिति में दर्शाया गया है। नवीनतम दौर के सर्वेक्षण से पता चलता है कि 2015-16 की चौथी तिमाही में क्षमता उपयोग की स्थिति में मौसमी सुधार हुआ था जिसका प्रमुख कारण पूंजीगत वस्तुओं में बढ़ोतरी होना और उसके बाद आधारभूत वस्तुओं और उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं होना था। वर्ष 2015-16 की तीसरी तिमाही तक नमूना कंपनियों के औसत नए आदेशों में वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि मामूली सकारात्मक बनी रही किंतु 2015-16 की चौथी तिमाही में इसमें गिरावट दर्ज की गई

जैसा कि सर्वेक्षण परिणामों से पता चलता है कि समग्र स्तर पर, भारतीय विनिर्माण क्षेत्र की स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है।

[2] विश्लेषण के उद्देश्य के लिए, 5 तिमाहियों के लिए कंपनियों (संदर्भगत तिमाही सहित) के समान नमूनों को लिया गया है ताकि तिमाही-दर-तिमाही और वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि की तुलना की जा सके। इस प्रक्रिया में, प्रत्येक कारोबारी संकेतक (यथा - नए आदेश वृद्धि, इन्वेंटरी अनुपात और क्षमता उपयोग) के अनुमान सर्वेक्षण के लगातार दौरों से प्राप्त किए गए हैं।

अनुबंध - आंकड़ों की सारणियां

सारणी 1 : आदेश बहियों की वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि के लिए अंतिम अनुमान

तिमाही	पर आधारित	कंपनियों की संख्या	आदेश बही वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि	दायरा#
ति1:2014-15	दौर 30	508	10.2	उन
ति2:2014-15	दौर 31	373	12.6	(10.3,12.6)
ति3:2014-15	दौर 32	366	-8.9	(-8.9,-3.9)
ति4:2014-15	दौर 33	305	1.2	(-1.8,1.2)
ति1:2015-16	दौर 33	305	0.8*	(0.8,4.7)
ति2:2015-16	दौर 33	305	0.6*	(0.1,0.6)
ति3:2015-16	दौर 33	305	2.4*	(2.4,4.6)
ति4:2015-16	दौर 33	305	-2.6*	उन

* वृद्धि के ये आंकड़े 33 वें दौर के अनंतिम अनुमान है।
# दायरा विभिन्न दौरों में संकेतकों के उच्च और निम्न रहने का संकेत देते हैं।

सारणी 2 : बिक्री की तुलना में तैयार वस्तु अनुपात (एफजी) के लिए अंतिम अनुमान

तिमाही	पर आधारित	कंपनियों की संख्या	बिक्री की तुलना में एफजी इन्वेंटरी	दायरा#
ति1:2014-15	दौर 30	1070	17.3	उन
ति2:2014-15	दौर 31	723	19.6	(19.2,19.6)
ति3:2014-15	दौर 32	743	17.9	(17.8,17.9)
ति4:2014-15	दौर 33	615	19.2	(18.9,19.3)
ति1:2015-16	दौर 33	615	20.2*	(20.2,20.4)
ति2:2015-16	दौर 33	615	20.3*	(20.3,20.5)
ति3:2015-16	दौर 33	615	19.9*	(19.9,20.2)
ति4:2015-16	दौर 33	615	17.6*	उन

* वृद्धि के ये आंकड़े 33 वें दौर के अनंतिम अनुमान है।
# दायरा विभिन्न दौरों में संकेतकों के उच्च और निम्न रहने का संकेत देते हैं।

सारणी 3 : क्षमता उपयोग (सीयू) के लिए अंतिम अनुमान

तिमाही	पर आधारित	कंपनियों की संख्या	क्षमता उपयोग का स्तर (प्रतिशत)	दायरा#
ति1:2014-15	दौर 30	1233	70.2	उन
ति2:2014-15	दौर 31	949	73.6	(73.6,73.6)
ति3:2014-15	दौर 32	941	71.7	(70.7,71.7)
ति4:2014-15	दौर 33	901	74.0	(73.5,74.1)
ति1:2015-16	दौर 33	901	71.8*	(71.3,71.8)
ति2:2015-16	दौर 33	901	71.4*	(70.6,71.4)
ति3:2015-16	दौर 33	901	72.6*	(72.5,72.6)
ति4:2015-16	दौर 33	901	74.1*	उन

* वृद्धि के ये आंकड़े 33 वें दौर के अनंतिम अनुमान है।
# दायरा विभिन्न दौरों में संकेतकों के उच्च और निम्न रहने का संकेत देते हैं।